an>

Title: Issue regarding suicide by a farmer in Meerut Parliamentary Constituency.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, पिछले शुक्रवार, 24 तारीख को मेरठ में धमतला गांव का एक किसान, जिसका नाम योगेन्द्र था, वह अपने खेत पर गया और फसल को देखकर निराश होकर एक टावर पर चढ़ गया। वहाँ एस.आई. तथा नायब तहसीलदार आये। प्रशासन की संवेदनहीनता यह है कि एस.आई. ने कहा कि इसे केले दिखाओ, यह नीचे उतर आएगा। नायब तहसीलदार अपनी गाड़ी से नीचे नहीं उतरा, वह गाड़ी में ही बैठा रहा और चार घंटे के बाद उसने वहाँ से कूदकर आत्महत्या कर ली। मेरठ में प्रदेश सरकार के बड़े मंत्री थे, लेकिन वहाँ कोई अधिकारी नहीं आया, उल्टे एस.आई. और नायब तहसीलदार ने केस कर दिया कि लोगों ने सरकारी काम में बाधा डाली। उसे कोई मुआवजा नहीं दिया गया। मेरा आपके माध्यम से सरकार से निवेदन है कि उनके खिलाफ किये गये केस को वापस लिया जाए, उसे मुआवजा दिया जाए और पूरे प्रकरण की ठीक से जांच की जाए क्योंकि यह बहुत ही हृदयविदारक घटना है। चार घंटे तक वहाँ पर कोई अधिकारी नहीं पहुंचा और उसने आत्महत्या कर ली।

आपने बोलने का अवसर दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।